



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 418]

No. 418]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 23, 2004/आश्विन 1, 1926

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 23, 2004/ASVINA 1, 1926

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 2004

सा.का.नि. 636(अ).—केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, नामतः :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (द्वितीय संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 में,—

(i) नियम 135 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“135. अन्तर्राष्ट्रीय वायु परिवहन का टैरिफ.—(1) नियम 134 के अनुसार वायु परिवहन सेवा का प्रत्येक प्रचालक सभी संबद्ध घटकों, प्रचालन खर्च, यथोचित लाभ तथा सामान्य लागू टैरिफ सहित, अन्तर्राष्ट्रीय वायु परिवहन के भाड़े, दरें तथा प्रभार दर्शाते हुए टैरिफ निर्धारित करेंगे।

(2) प्रत्येक प्रचालक उपनियम (1) के अधीन उसके द्वारा निर्धारित टैरिफ को अपनी वेबसाइट पर या दो दैनिक समाचारपत्रों में प्रकाशित करेंगे तथा ऐसे टैरिफ को अपने कार्यालय के सहज दृश्य भाग तथा अपने अधिकर्ता के कार्यालय, यदि कोई हो, में प्रदर्शित करेंगे।

(3) प्रत्येक प्रचालक, उपनियम (1) के अधीन, उनके द्वारा निर्धारित टैरिफ संबंधित सभी अभिलेख का उस प्रकार तथा उस रूप में रखरखाव करेंगे जैसाकि महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए तथा महानिदेशक के मांगे जाने पर ऐसे अभिलेख को उनके समक्ष निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेंगे।

(4) यदि महानिदेशक का यह समाधान हो जाता है कि किसी प्रचालक ने उपनियम (1) के तहत अत्यधिक या सीमा से अधिक टैरिफ निर्धारित किया है या किसी प्रकार की मिलीभगत में लिप्त पाए गए तो वे, आदेश द्वारा ऐसे प्रचालक को निदेश जारी कर सकते हैं।

(5) उपनियम (4) के अधीन जारी प्रत्येक निदेश का, ऐसे प्रचालक द्वारा पालन किया जाएगा” ;

(ii) नियम 135क, 135ख तथा 135ग का लोप किया जाएगा,

(iii) अनुसूची 12 का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. ए. वी. 11012/1/2004-ए]

रघु मेनन, संयुक्त सचिव

टिप्पण :—1. मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. V-26, तारीख 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप खण्ड (i) में प्रकाशित सा.का.नि. 390(अ) तारीख, 24 जून, 2004 द्वारा किया गया।

2. वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने लोकहित में नागर विमानन मंत्रालय में जारी तारीख 22 सितम्बर, 2004 के अपने आदेश सं. ए. वी. 11012/1/2004-ए द्वारा इस अधिसूचना के मामले में पूर्व प्रकाशन की शर्तों से छूट दी है।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd September, 2004

G.S.R. 636(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (2nd Amendment) Rules, 2004.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937,—

- (i) for rule 135, the following rule shall be substituted, namely :—

“135. Tariff for international air transportation.—(1) Every operator of an air transport service operating in accordance with rule 134 shall, having regard to all relevant factors, including the cost of operation, reasonable profit and the general prevailing tariff, establish tariff showing fares, rates and charges for international air transportation.

(2) Every operator shall cause to be published the tariff established by him under sub-rule (1) in his website or two daily newspapers, and shall display such tariff in a conspicuous part of his office and in the office of his agent, if any.

(3) Every operator shall maintain all records relating to tariff established by him under sub-rule (1) in such manner and in such form as may be specified by the Director-General, and on demand by the Director-General shall produce such records before the Director-General for inspection.

(4) Where the Director-General is satisfied that any operator has established excessive or predatory tariff under sub-rule (1) or has indulged in oligopolistic practice, he may, by order, issue directions to such operator.

(5) Every direction issued under sub-rule (4) shall be complied with by the such operator”;

(ii) rules 135A, 135B and 135C shall be omitted;

(iii) Schedule XII shall be omitted.

[F. No. A.V. 11012/1/2004-A]

RAGHU MENON, Jt. Secy.

Notes :—1. The principal rules were published in the Official Gazette *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and last amended by G.S.R. 390(E), dated the 24th June, 2004 published in Extraordinary, Part II, Section (3), Sub-section (i) of the Gazette of India.

2. The Central Government in exercise of the powers conferred by proviso to Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) has in the public interest dispensed with the condition of previous publication in case of this notification *vide* its Order No. AV. 11012/1/2004-A dated 22-9-2004, issued in Ministry of Civil Aviation.